नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR

सत्यमेव जयते

कृषि एवं किसान कल्याण,
ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली

MINISTER OF AGRICULTURE & FARMERS' WELFARE,
RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

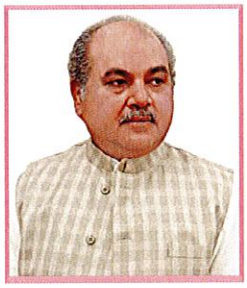

प्रिय भाइयों एवं बहनों, ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि एवं ग्राम सभाओं के सदस्यगण।

आज 24 अप्रैल, 2021 को बारहवें पंचायती राज दिवस पर मैं आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं। आपको विदित है कि ग्राम पंचायतें आरम्भ से ही हमारे देश की शासन-व्यवस्था की रीढ़ रही हैं, और इन्हीं ग्राम पंचायतों ने गांवों में लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत बनाने का काम किया है। स्थानीय स्तर पर सरकार की नीतियों को लागू करना और विकास का लाभ हर ग्रामीण व्यक्ति तक पहुंचाना, पंचायतों की ही जिम्मेदारी है। अत: पंचायतें सुशासन को सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम हैं। उनकी इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए मैं सभी ग्राम पंचायतों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। पंचायतों को प्रोत्साहित करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय द्वारा आज के दिन देशभर की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों को पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 2021 में भी देशभर की 74000 पंचायतों ने इसमें भाग लिया है, जो कि पिछली बार से 28 प्रतिशत अधिक है। कोरोना संकट के समय भी इतनी व्यापक भागीदारी नि:संदेह सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि आप सभी इस महामारी से बचने के लिए अपने-अपने स्तर पर पूरे प्रयास कर रहे होंगे, साथ ही दूसरों को जागरूक कर रहे होंगे और अपनी बारी आने पर वैक्सीन भी लगवा रहे होंगे। इस अवसर पर मैं आप सभी के बेहतर स्वास्थ्य एवं कुशलता की कामना करता हूं।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2021 के लिए चार श्रेणियों के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों, ब्लॉक पंचायतों और जिला पंचायतों को 313 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। ये श्रेणियां हैं:-

1. पं दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार
2. नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार
3. बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार
4. ग्राम पंचायत योजना पुरस्कार

सभी विजेताओं को पुरस्कार के रूप में दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी हैं। उपर्युक्त के अलावा, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 12 राज्यों का चयन ई-पंचायत पुरस्कार के लिए किया गया है। मुझे आशा है कि पुरस्कार प्राप्त करने वाली पंचायतें अन्य सभी के लिए प्रेरणा स्रोत बनकर उभरेंगी और 'ग्रामोदय से भारत उदय' का लक्ष्य प्राप्त करने का एक सशक्त स्तम्भ बनेंगी।

Office: 'G' Wing, Ground Floor, Krishi Bhawan, New Delhi- 110001, Tel.: 011-23782373, 23782327 Fax: 011-23385876
Resi.: 3 Krishna Menon Marg, New Delhi-110001, Ph.: 011-23794697 / 98, Fax: 011-23794696

यह हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि गांव-गरीब के हितों को समर्पित श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत सरकार ने पिछले वर्ष पंचायती राज दिवस के ही अवसर पर स्वामित्व स्कीम का शुभारम्भ किया था। इसका उद्देश्य था - देश के ग्रामीण आबादी क्षेत्र में रह रहे सम्पत्ति-धारकों को उनकी जायदाद का पक्का हक देना। इसीलिए, माननीय प्रधानमंत्री जी ने स्वामित्व नाम का एक ऐसा उपहार देश की ग्रामीण आबादी को दिया, जिसकी प्रतीक्षा हमारे ग्रामीण भाई आजादी के सात दशकों बाद भी कर रहे थे।

'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की नीति पर चलने वाली केन्द्र की मोदी सरकार की स्वामित्व योजना में भी हर सम्पत्ति धारक को अपनी बात रखने का पूरा हक दिया गया है। इसीलिए आधुनिक तकनीक से तैयार किए गए नक्शों को एक बार फिर से ग्राम सभाओं में भेजा जाता है, ताकि यदि किसी भी प्रकार की गलती रह गई हो, या कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही हो, तो उसे शांतिपूर्ण ढंग से स्थानीय स्तर पर निपटाया जा सके। इसके पश्चात गांवों के आबादी सम्पत्ति धारकों को उसका प्रमाण अर्थात प्रॉपर्टी कार्ड मिल जाता है। इस तरह यह योजना पारदर्शिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन कर सामने आई है।

मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पिछले साल पंचायती राज दिवस से लेकर अब तक, एक साल के भीतर लाखों लोगों को प्रॉपर्टी कार्ड बांटे जा चुके हैं। इसकी सबसे खास बात यह है कि ड्रोन-मानचित्रण से लेकर मालिकाना हक के प्रमाण मिलने तक का समय अधिकतम 9 महीने का ही है। यह एक ऐसा दस्तावेज है, जो हर गांववासी के लिए उसकी आबादी सम्पत्ति की सुरक्षा की गारंटी बनेगा। इससे अवैध कब्जों में कमी आएगी, लोग बेकार में कोर्ट कचहरी के चक्करों से बचेंगे और शहरों की तरह गांव की जायदाद के आधार पर बैंकों से ऋण लेना भी आसान होगा।

स्वामित्व योजना की इस सफलता का श्रेय हमारी राज्य सरकारों, ग्राम पंचायतों, राज्यों के राजस्व एवं पंचायती राज विभागों, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के कर्मठ अधिकारियों तथा भारतीय सर्वेक्षण और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के संयुक्त प्रयासों को जाता है। इन्ही के दृढ़ संकल्प की बदौलत नौ राज्यों में शुरू की गई यह योजना अब पूरे देश में गांव-गांव के हर सम्पत्ति धारक के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए तैयार है। ग्रामीण क्षेत्र के व्यापक आर्थिक-सामाजिक परिवर्तन पर आधारित इस क्रांतिकारी सोच के लिए मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूं।

(नरेन्द्र सिंह तोमर)
10/4/21

Office: 'G' Wing, Ground Floor, Krishi Bhawan, New Delhi- 110001, Tel.: 011-23782373, 23782327 Fax: 011-23385876
Resi.: 3 Krishna Menon Marg, New Delhi-110001, Ph.: 011-23794697 / 98, Fax: 011-23794696